



लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ 226007(उ.प्र.)भारत University of Lucknow Lucknow-226007(U.P)INDIA

Report on Lecture 4 of Alumni Lecture Series

The Department of Chemistry had initiated Alumni Lecture Series in the department. In this series, the fourth lecture was delivered by Prof. Brijesh Kumar, retired chief scientist of SAIF, CDRI Lucknow on December 2, 2022. Prof. Brijesh Kumar did his M.Sc. Chemistry in 1985 from the department. In this program Prof. Naveen Khare, Faculty of Yoga and Alternative Medicine was the guest of honour. The program began with Prof. Anil Mishra, Head of the Department by welcoming the guests who apprised the audience about the progress and activities of the department and the purpose of this Alumni Lecture Series and also mentioned that it was with the support of all faculty members that this program could be made possible. The speaker as well as the Guest of Honour were welcomed with memento by Dr. Ashok Kumar Singh and Dr. Pragati Kushwaha. Prof. Mishra said that it is worth mentioning that the mementoes given were made by an employee of the department Ms. Barkha. Thereafter, Dr. Vinay Kumar Singh introduced the speaker of the day to the audience.

In his lecture on "Application of MS and LCMS in Herbal Drug Research" Dr. Brijesh Kumar presented a wide overview about the mass spectrometry and its role in Herbal Drug Research. He focussed on how mass spectrometry is important herbal drug research especially paan leaves and also presented the necessary knowhow related to this very important area. He also mentioned how one can do the fingerprinting of any biological samples using DART- Mass Spectrometry. Dr. Sudheer proposed a vote of thanks. He especially thanked Dr. Brijesh Kumar for sparing his valuable time to the department. At the end Prof Mishra thanked Prof. Brijesh for delivering the lecture and said that such lecture series will be continuing in future also. In this lecture all the faculty members and research scholars of the Chemistry department were present.



रसायन शास्त्र विभाग Department of Chemistry



लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ 226007(उ.प्र.)भारत University of Lucknow Lucknow-226007(U.P)INDIA









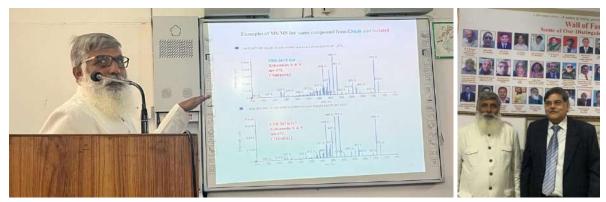




रसायन शास्त्र विभाग Department of Chemistry



लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ 226007(उ.प्र.)भारत University of Lucknow Lucknow-226007(U.P)INDIA







Video on YouTube

https://youtu.be/ amYRCmSvic



रसायन शास्त्र विभाग Department of Chemistry



लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ 226007(उ.प्र.)भारत University of Lucknow Lucknow-226007(U.P)INDIA

AMRIT VICHAR PAGE 4

रसायन विज्ञान विभाग में शुरू हुई व्याख्यान श्रृंखला

अमृत विचार संवाददाता

लखनक। लखनक विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग विभागाच्या डर्ड. अनिल मिश्रा ने विभागाच्या डर्ड. अनिल मिश्रा ने विभाग की प्रगति और गतिविध्यों और इस पूर्व छात्र व्याख्यान श्रेंबल के उद्देश्य से अवयान करते हुए कार्यक्रम का आगाज किया। इस अवसर पर डर्ड. अश्रोंक कुमार सिं और डॉ. प्रगति कुमाबात ने प्रवा के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि का स्मृति यिन्ह येकर स्वगात किया। वर्डी व्याख्यान से स्पष्ट रुप स्था वर्डी व्याख्यान से स्पष्ट रुप से प्रवा के पत्नी को औषिध सान गया है।

'हबंल द्रग रिसचं में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग' पर अपने क्याख्यान में प्रो. डॉ.



ब्जेश कुमार ने मास स्पेक्ट्रोमेट्री और हबल इग रिसर्च में इसकी भूमिका के बारे में एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात रर ध्वान केंद्रित किया कि कैस मास स्पेक्ट्रोमेट्री म्हत्यपूर्ण इंबेल औषधि

अनुसंधान विशेष रूप से पान के पत्ते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डार्ट-मास स्पेक्ट्रोमेट्टी का उपयोग करके किसी भी जैविका नमूने की फिगर्राप्टिंग कैसे की जा सकती हैं। डॉ. सुधीर ने धन्यबाद

ज्ञापित किया। उन्होंने विभाग को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए डॉ. कृतेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यवत किया। अंत में प्रो. मिश्रा ने प्रो. कृतेश को व्याख्यान देने के लिए धन्यवाद दिया।

LOK SATYA PAGE 3

हर्बल ड्रग रिसर्च में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग पर व्याख्यान हर्बल ड्रग रिसर्च में 'मास स्पेक्ट्रोमेटी' पर चर्चा

लखनऊ, लोकसत्य

रसायन विज्ञान विभाग ने विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यन शृंखला सुरू की थी। इसी कड़ी में चौचा व्याख्यान प्रोफेसर कृषेश कुमार, सैक, सीडार्यक्रम क्रिक्स हारा दिया गाना सीडार्यक्रम में प्रो. नवीन खरे, जोग एवं वैकस्पिक चिकित्सा संक्रय के विशिष्ट अतिथि थे।

कार्पक्रम को शुरुआत विचायाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने अतिथयों का खागल करते हुए की, जिन्होंने बीताओं को विचाय को प्राप्ति और गतिविधियों और इस पूर्व छात्र ज्वाड्यान श्रृंखला के उदेश्य से अवनत कराया और यह भी उन्लेख किया कि यह सभी संकाय सदस्यों के सहयोग से किया गया था। डॉ. अशोक कृमार सिंह और डॉ. प्राप्ति कुलखात ने चक्ता के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि का स्मृति चिन्ह चेकर स्वागत किया। प्रो. मिश्रा ने कहा कि गीतलब डी कि स्मृति चिन्ह विश्वाय की एक कर्मचारी मुखी बरखा ने बनाख था। इसके बाद डॉ. चिन्य कुमार सिंह ने स्सीकर अक्ष र डे के बरहोकों से परिलय कराया। हर्जल हुए रिसर्च में एसएस और

डर्बल ड्रग रिसर्थ में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रधोगर पर अपने व्याख्यान में डॉ. कमार ने मास स्पेक्टोमेटी और हर्बल डग



रिसर्च में इसकी भूमिका के बारे में एक विस्तृत सिंहायलोकन प्रस्तृत किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेंट्टी महत्वपूर्ण इंदेश औष्विध अनुसंधान थियोच रूप से पान के परो हैं और इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र

से संबंधित आयश्यक जानकारी भी प्रस्तुत की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डार्ट-मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके किसी भी जैविक नमने की फियरॉप्रेटिंग कैसे की जा सकती है। डॉ. सुधीर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विभाग को अपना बहुमूच्य समय देने के लिए डॉ. कुबेश कुमार कर विशेष रूप से आगार व्यवत किया। अंत में प्रो. मिक्रा ने प्रो. यूनेश को व्यवव्यान देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि परिवास में प्रोह्म तरह को व्यवव्यान शृंखता जारी रहेगी। इस व्यवश्यत में रसस्य विशान विभाग के समस्यत संकाय सदस्य एवं शोधार्थी उपनिक्षा से

KANWHIZZ TIMES PAGE 3

रसायन विज्ञान विभाग ने विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान की शुरू की श्रंखला

लखनडाः रसायन विज्ञान विभाग ने विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला शुरू की थी। इसी कड़ी में चौथा व्याख्यान प्रोफ़ेसर बृजेश कुमार सैफ सीडीआरआई लखनड इस सुक्रकर को दिया गया। कार्यक्रम में भे नर्थन खरे योग एवं वैक्षात्मक रिविक्तस संकाय के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम को मुहआत विभागाचश्व डॉ अतिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए किया। जिन्होंने श्रीताओं को विभाग की प्रगीत और गतिविधियों और इस पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उदेश्य से अवगत करवा और यह भी जल्दिक कार्यक्रम संभव हो सके। हर्बल इम रिव्ह में में एसरस और एससीएमएस के अनुप्रयोग एस अपने व्याख्यान में डॉ कुमार ने मास स्पेक्ट्रोमेट्टी और हर्बल इम रिव्ह में इसका पूर्व प्रमुख किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान के प्रति किया कि के से मास स्पेक्ट्रोमेट्टी महत्वकृष्ट किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्टी महत्वकृष्ट किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्टी महत्वकृष्ट किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्टी का उन्होंन ब्यं के उन्होंन बर प्रत्येक क्राव्य कि डार्ट मास स्पेक्ट्रोमेट्टी का उन्होंन बर प्रत्येक क्राव्य कि डार्ट मास स्पेक्ट्रोमेट्टी का उन्होंन बर प्रत्येक क्राव कि डार्ट मास स्पेक्ट्रोमेट्टी का उन्होंन बर प्रत्येक क्राव कि डार्ट मास स्पेक्ट्रोमेट्टी का उन्होंन बर क्राव क्र

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य से कराया अवगत



स्वतांत्र भरत संवादरात, लावन्त्रः सामध्यते स्थित एतन् के राह्यम विद्वान विध्यम एत निध्यम में पूर्व सामध्यम पूर्ण को एता में व्यव माण्याम के व्यव प्रकार पूर्ण को। इसी काई में मुक्तार को के व्यव माण्याम के माण्याम के मुक्तार को के की आप माण्याम के विवाद में कि प्रकार में ती हम सर्वाच्य करते हुए की उन्होंने की होओं को विध्यम के प्रविचिध के स्थापन करते हुए की उन्होंने की होओं को विध्यम के प्रविचिध के स्थापन करते हुए की उन्होंने की होओं को विध्यम के प्रवाद के उन्होंने की स्थापन करते हुए स्थापन के स्थापन करते हुए की उन्होंने की होओं के स्थापन स्थापन के स्थापन के स्थापन के स्थापन के स्थापन स्थापन